Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding review of progress of various tribal development schemes -laid.

श्री विजय कुमार हांसदाक (राजमहल): मेरे गृह राज्य झारखंड में 27 प्रतिशत आदिवासी लोग निवास करते हैं जिनकी आर्थिक और सामाजिक स्थित अत्यंत दयनीय है। केंद्र सरकार द्वारा प्रयास करने के बाद उनमें सुधार उम्मीद से बहुत कम हुआ है। उनके विकास के लिए केन्द्र स्तर पर कई योजनायें और कार्यक्रम चल रहे हैं। खेद के साथ सूचित कर रहा हूं कि यह कार्यक्रम और योजनायें उन तक नहीं पहुंच रही हैं। कुछ स्वार्थी लोगों द्वारा आदिवासी लोगों के धर्म और जाति के संबंध में भ्रम फैलाया जा रहा है जिससे आदिवासी लोगों से संबंधित आंकड़ों को कम किया जा सके। जनसंख्या गणना में उनको हिन्दू दिखाया जाता है जबकि उनका कोई धर्म और जात नहीं है। यह आदिवासी प्रकृति, पेड़ एवं पहाड़ों की पूजा करते हैं। कोई भी मूर्तिपूजक नहीं है। पूरे देश के आदिवासियों द्वारा सरना धर्म कोड दिये जाने की मांग की जा रही है। बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि केंद्र सरकार द्वारा आदिवासी के कल्याण संबंधी योजनाओं को नियमों के अनुसार और समुचित ढंग से लागू नहीं किया जा रहा है जिसके कारण 70 साल की आजादी के बाद भी देश के मूल रुप से जंगलों में बसे आदिवासी लोगों का सामाजिक और आर्थिक विकास नहीं हो पाया है।

मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि देश के आदिवासी विशेषकर जंगलों में बसने वाले अनुसूचित जनजाति के संबंध में कार्यों की समीक्षा किसी एजेंसी से करवाई जाये और सरना धर्म कोड की मांग को तत्काल स्वीकार किया जाये।